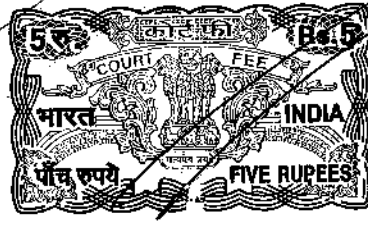


71



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल ग्वालियर केंद्र उज्जैन (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक : /2016 निगरानी

निग - 436- III-16

श्री योगेश गोस्वामी
अभिप द्वारा उज्जैन केंद्र
पर प्रस्तुत।
[Signature]
20-11-16

सौदानसिंह पिता श्री मोढसिंह जी आयु 40
चालीस वर्ष धन्धा-खेती निवासी ग्राम केसरपुर
तहसील घटिया जिला उज्जैन

—आवेदक / निगरानीकर्ता
विरुद्ध



योगेश गोस्वामी
20/11/16

1-(एक) ललीत कुमार पिता श्री मांगीलाल जी बोथरा
आयु 47 सैतालीस वर्ष धन्धा-कृषि व आर.टी.
ओ एजेन्ट निवासी 16 सौलह नीमचौक नयापुरा
उज्जैन



2-(दो) मनोहरसिंह पिता प्रहलादसिंह जी राजपूत आयु
42 बय्यालीस वर्ष धन्धा-कृषि निवासी ग्राम
केसरपुर पोस्ट कागदी कराडिया तहसील
घटिया जिला उज्जैन



3-(तीन) मध्यप्रदेश शासन द्वारा नायब तहसीलदार
महोदय टप्पा पानबिहार तहसील घटिया जिला
उज्जैन म.प्र. —अनावेदकगण

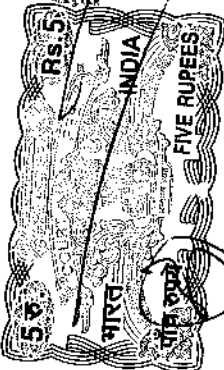
माननीय नायब तहसीलदार महोदय टप्पा पानबिहार तहसील घटिया
जिला उज्जैन के आदेश दिनांक 22/12/2015 से असंतुष्ट होकर उक्त
निगरानी धारा 50 मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत ।

माननीय महोदय,

आवेदक की ओर से निम्नलिखित निगरानी सादर प्रस्तुत है:-

निगरानी के संक्षिप्त तथ्य

यह कि अनावेदक कमाक 1 के द्वारा अधिनस्थ न्यायालय के समक्ष
केवल अनावेदक कमांक 2 को पक्षकार बनाते हुए नामान्तरण आवेदन पत्र वर्ष 2014में
दिया गया था. तथा जिसमें यह आधार लिया था कि भूमि सर्वे कमांक 209/1



राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

भाग - अ


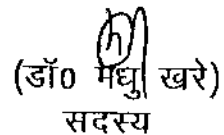
प्रकरण क्रमांक निगरानी 436-तीन/2016

जिला उज्जैन

सौदान सिंह

विरुद्ध

लतीत

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकर्ता एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
17-2-2016	<p>✓ आवेदक द्वारा यह निगरानी तहसीलदार कोतमा जिला अनूपपुर के प्रकरण क्रमांक 64/अ-6/2013-14 में पारित आदेश दिनांक 22-12-2015 के विरुद्ध प्रस्तुत की है।</p> <p>2/ आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। प्रकरण में संलग्न आदेश की सत्यप्रतिलिपि के अवलोकन से स्पष्ट है कि आवेदक को तहसील न्यायालय में जबाव हेतु अनेक अवसर दिये जाने के बाद आवेदक के जबाव का अवसर समाप्त कर दिया। आवेदक अभिभाषक का यह भी तर्क है कि यह प्रकरण नामांतरण से संबंधित है तथा तहसील न्यायालय में आवेदक का जबाव आवश्यक है। आवेदक को जबाव हेतु अवसर प्रदान किये गये हैं फिर भी आवेदक अभिभाषक के तर्कों से सहमत होते हुये न्यायहित में एक अंतिम अवसर जबाव प्रस्तुत करने के लिए प्रदाय करने हेतु अधीनस्थ तहसील न्यायालय निर्देश दिये जाते हैं। प्रकरण का इस निर्देश के साथ निराकरण किया जाता है। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p style="text-align: center;">   </p>	